Dainik Bhaskar Date: 20.08.2019

पद्मश्री साइंटिस्ट चंद्रकांत पिथावा आज आएंगे

वे वैष्णव विद्यापीठ में साराभाई मेमोरियल सेंटेनरी ओरेशन में मुख्य वक्ता होंगे

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

परमाणु अनुसंधान ईआईजी के पूर्व निदेशक और साइंटिस्ट पद्मश्री चंद्रकांत पिथावा 20 अगस्त को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में आएंगे। विश्वविद्यालय में विक्रम साराभाई शताब्दी मनाई जा रही है और वे सेंटेनरी ओरेशन सीरीज-4 में मुख्य वक्ता होंगे। उन्होंने पोखरण में शक्ति परमाणु परीक्षणों और परमाणु प्रसार के लिए नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने थी। विश्वभर में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए योगदान को स्टूडेंट्स से परिचित कराने के लिए यह ओरेशन सीरीज की रही है। वे सुबह 11 :30 बजे भारतीय परिदृश्य में' न्यूक्लियर पावर जनरेटिंग प्लांट के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोल विषय पर लेक्चर देंगे। विज्ञान और इंजीनियरिंग में उनके योगदान के लिएउन्हें 2017 में चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है।

दैनिक चैतन्य लोक

20 अगस्त 2019

वैज्ञानिकों के योगदान के संस्मरण सांझा किए जाएंगे

चैतन्य लोक » इंदौर

dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय, इंदौर में विक्रम साराभाई शताब्दी मनाई जा रही है, इस संदर्भ में विश्वविद्यालय विश्वभर में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए योगदान को उजागर करने के लिए प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा आदेश का आयोजन कर रहा है। इस श्रृंखला में 4 वें विक्रम साराभाई मेमोरियल सेंटेनरी ओरेशन को पद्मश्री चंद्रकांत पिथावा द्वारा आज 20 अगस्त को सुबह 11:30 बजे टॉपिक न्यूक्लियर पावर प्लांटिंग प्लांट और भारतीय परिदृश्य के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल पर दिया जाएगा।

स्थानरू विश्वविद्यालय सभागारए श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालयए इंदौर पद्मश्री चंद्रकांत पिथावा एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और पूर्व निदेशकए इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन ग्रुप भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुंबई हैं। उन्होंने हैदराबाद राजा रमन्ना में फेलो के रूप में कार्य किया। उन्होंने सर्न के लार्ज हैड्रोन कोलाइडर सहित कई अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में योगदान दिया है। उन्होंने पोखरण में शक्ति परमाणु परीक्षणों और परमाणु प्रसार के लिए नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। और प्रभारीए इंडस एक्सेलरेटर के रूप में भी योगदान दिया। श्री पिथावा को उत्कृष्टता के लिए छह डीएई पुरस्कार और विज्ञानए इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में भारतीय परमाणु समाज से एक पुरस्कार दिया गया है। वह इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के एक साथी हैं। विज्ञान और इंजीनियरिंग में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2017 में चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से मान्यता दी गयी। यह जानकारी कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने दी।

Naidunia
Date: 20.08.2019

भाभा परमाणु अनुसधान ईआईजी के पूर्व निदेशक आज शहर में

इंदौर। भाभा परमाणु अनुसंधान- ईआईजी के पूर्व निदेशक और प्रतिष्ठित

चंद्रकांत पिथावा

वैज्ञानिक पद्मश्री चंद्रकांत पिथावा 20 अगस्त को वैष्णव यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। पिथावा ने पोखरण में शक्ति परमाणु परीक्षणों और परमाणु प्रसार के लिए नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ इंडस एक्सेलरेटर के रूम में योगदान दिया है। संस्थान में मनाई जा रही विक्रम साराभाई शताब्दी मनाई जा रही है। इसके तहत पिथावा सुबह 11.30 बजे न्यूक्लियर पॉवर जनरेटिंग प्लांट के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल भारतीय परिदृश्य में विषय पर बात करेंगे।